अध्याय – I

संगठन के कार्य व कर्तव्य का विवरण

इतिहास

दि ओरिएण्टल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड जिसे पहले 'दि ओरिएण्टल फायर एंड जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड' के नाम से जाना जाता था, को 12 सितंबर, 1947 को बॉम्बे में निगमित किया गया था। कंपनी दि ओरिएण्टल गवर्नमेंट सिक्योरिटी लाईफ एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी थी तथा साधारण बीमा व्यवसाय को करने के लिए बनाया गयी था। कंपनी को ओरिएण्टल गवर्नमेंट सिक्योरिटी लाईफ एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के अध्यक्ष श्री पुरूषोत्तमदास ठाकुरदास द्वारा प्रवर्तित किया गया था, जो लगभग 75 वर्षों तक जीवन बीमा व्यवसाय को करती रही।

कंपनी का प्रधान कार्यालय बॉम्बे में स्थित था। अपने संचालन के प्रथम वर्ष में कंपनी का प्रीमियम केवल 99950/- रूपए ही था। भारत में, वर्ष 1956 में जीवन बीमा व्यवसाय के राष्ट्रीयकरण पर, कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) की सहायक कंपनी बनी। वर्ष 1973 में साधारण बीमा व्यवसाय के राष्ट्रीयकरण के परिणामस्वरूप कंपनी भारतीय साधारण बीमा निगम (जीआईसी)की सहायक कंपनी बनी।

10 भारतीय व 12 विदेशी बीमा कंपनियों का ओरिएण्टल फायर व साधारण बीमा कंपनी लिमिटेड के साथ विलय हुआ। वर्ष 1973 में राष्ट्रीयकरण के समय पर, कंपनी का सकल प्रत्यक्ष प्रीमियम 58 करोड़ रूपए था। कंपनी के रजिस्टर्ड व प्रधान कार्यालय को मुंबई से नई दिल्ली स्थानांतरित किया गया था। वर्ष 1984 में कंपनी का नाम बदलकर दि ओरिएण्टल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड किया गया था।

तदापि, बीमा संशोधन बिल (2002) पास होने के पश्चात दि ओरिएण्टल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड को जीआईसी से अलग किया गया था तथा वर्ष 2003 में जीआईसी द्वारा धारित अब तक के कंपनी के शेयरों को केंद्रीय सरकार को अंतरित किया गया।

व्यवसाय के क्षेत्र

कंपनी अग्नि, मरीन, इंजीनियरिंग, स्वास्थय, मोटर व अन्य विविध श्रेणी के व्यवसायों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखती है और औद्योगिक दिग्गजों के साथ-साथजनसाधारण की जरूरतों को भी ध्यान में रखती है। कंपनी के पास अर्थव्यवस्था के विभिन्न-संवर्गों के लिए 170 से ज्यादा विभिन्न उत्पाद हैं।

वर्तमान ढांचा व स्थिति

कंपनी वर्षों से प्रगति कर रही है तथा वर्तमान में दुबई, नेपाल व कुवैत में अंतर्राष्ट्रीय उपस्थिति सहित 12500 से भी अधिक प्रतिबद्ध व समर्पित कर्मचारियों सहित भारत में 1935 से अधिक कार्यालयों से संचालन करती हैं। वर्ष 2018-19 में इसकी सकल प्रीमियम आय 13484.74 करोड़ रूपए के स्तर पर पहुंची है।

31 मार्च, 2018 को 23826 करोड़ रूपए की तुलना में मार्च, 2019 में, ओरिएण्टल की निवेश पोर्टफोलियो का बाजार मूल्य 24625.81 करोड़ रूपए का है। ओरिएण्टल बीमा ने वर्ष 2018-19 में 110.29 लाख पॉलिसियां जारी की थी तथा उसी अवधि में 22.72 लाख से अधिक दावों को निपटाया था1 वर्ष 2018-19 के दौरान ओरिएण्टल बीमा ने सकल आधार पर 14.89% की वृद्धि दर्ज की थी।

ओरिएण्टल बीमा कंपनी ने 31 मार्च, 2009 को अपना नया सॉफ्टवेयर सिस्टम – इन्टेग्रेटेड नॉन लाईफ बीमा एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर सफलतापूर्वक सभी कार्यालयों में शुरू किया गया था तथा 100% कार्यान्वयन प्राप्त किया।अपने निवेश पोर्टफोलियो के लिए, कंपनी ने सैप (एसएपी) आधारित मॉड्यूल प्राप्त किया जिसने निवेश के प्रबंधन को एकीकृत दृष्टिकोण प्रदान किया। हमारे पास यूनिक्स/एकीकृत मंच पर आधारित एक पुनर्बीमा खाता माड्यूल है जोकि पिछले 2 दशकों से सफलतापूर्वक चल रहा है। मूल्य युक्त प्रणाली में अपने अधिकारियों को महत्वपूर्ण कौशल से लैस करने के लिए, हमारी कंपनी ने कठोर प्रशिक्षण दिया है। अपने ग्राहकों के साथ अच्छे संबंध सुनिश्चित करने हेतु तथा कंपनी के निर्माण एवं सुदृढ़ करने के लिए प्रत्येक स्तर पर एक कुशल शिकायत प्रणाली को रखा गया है। और अधिक कार्यक्रमों के प्रयोग द्वारा हमारी कंपनी की पहुंच का विस्तार संभव हो पाया है। कंपनी ने पंजाब नेशनल बैंक तथा ओरिएण्टल बैंक ऑफ कामर्स जैसे अधिसूचित बैंकों के साथ गठबंधन किया है। और अधिक लोगों तक पहुंचने के लिए यह राष्ट्रभर में डाकघरों के नेटवर्क का प्रयोग भी कर रहा है।

2018-19 के परिणाम

(लेखा परीक्षित) वर्ष 2018-19 के दौरान भारत में कंपनी का सकल प्रत्यक्ष प्रीमियम 13199.22 करोड़ रूपए था तथा भारत से बाहर की प्रीमियम आय 285.42 करोड़ रूपए थी। भारत एवं विदेश में सकल प्रत्यक्ष प्रीमियम में 14.89% की वृद्धि दर्ज की। इसके अलावा, (देसी एवं विदेशी) निवल प्रीमियम आय 2017-18 में 11736.84 करोड़ रूपए से 2018-19 में 5.58% बढ़ कर 13484.74 करोड़ रूपए हो गई। वर्ष 2018-19 के दौरान नेपाल, दुबई एवं कुवैत स्थित कंपनी के कार्यालयों से 285.42 करोड़ रूपए आय हुई। कंपनी ने वर्ष 2018-19 में (-) 428.99 करोड़ रूपए का कर-पूर्व टैक्स लाभ तथा (-)293.66 करोड़ रूपए का कर-बाद का लाभ दर्ज किया है। गैर-मुकदमा दावा निपटान अनुपात हेतु दावा अनुपात 90.06% था।

दर निर्धारण

कंपनी की वित्तीय सुदृढ़ता इस तथ्य से लक्षित होती है कि पिछले कई वर्षों से क्रिसिल द्वारा कंपनी को 'एएए' दिया गया है। मूडीज इनवेस्टर सर्विस के एक एसोसिएट 'आईसीआरए' ने भी हमारी कंपनी को आईएएए देते हुए अधिकतम दावा भुगतान की योग्यता वाला बताया है। इस मूल्यांकन द्वारा कंपनी के निवेश की सुदृढ़ स्थिति भी परिलक्षित होती है। सदस्यता के 6 वर्षों में, कंपनी को वित्तीय सुदृढ़ता में 'बी++' (उत्तम) का मूल्यांकन मिला है तथा ए.एम.बेस्ट द्वारा 2006 ये 'बीबीबी+' का मूल्यांकन (आईसीआर) मिला है। 31 मार्च 2019 को कंपनी की ऋण शोधन क्षमता 1.57 गुना है।

निगमित संकल्प

'प्रचालन क्षेत्रों में सबसे सम्मानित एवं वांछनीय साधारण बीमाकर्ता बनना'

निगमित लक्ष्य

यह सुनिश्चित करना कि हम –

- उच्च कारोबारी नीतियों के साथ एवं सुदृढ़ वित्तीय निगमित इकाई के रूप में कार्य करते हैं।
- उच्च मनोबल एवं नैतिक मूल्यों वाली अत्यंत प्रभावी, समर्पित एवं प्रेरित कार्यदल का निर्माण करने के लिए बेहतर मानव संसाधन विकास प्रक्रियाओं को लागू करते हैं।

- सूचना प्रौद्योगिकी ढांचे का बेहतर उपयोग करते हैं।
- उत्कृष्ट सेवा प्रदान करते हैं।
- प्रभावी एवं उचित दावा प्रबंधन तथा विवेकपूर्ण बीमालेखन के द्वारा लाभप्रदत्तापूर्ण कारोबार करते हैं।
- अपने पुनर्बीमा प्रचालनों को प्रभावी ढंग से व्यवस्थित करते हैं।
- हमारे पास प्रभावी जोखित प्रबंधन प्रणाली है।
- उचित बीमालेखन, नवीनीकरण एवं विपणन द्वारा गैर-जीवन बीमा के प्रवेश में सुधार ला रहे हैं।

संगठन का विवरण

निगमन की तिथि	12 सितंबर, 1947
निगमन का ढंग	1913 के भारतीय कंपनी अधिनियम, VII के अंतर्गत एक सार्वजनिक लिमिटेड कंपनी के रूप में निगमित
प्रशासनिक मंत्रालय	वित्त मंत्रालय
वर्तमान स्थिति	कंपनी अधिनियम, 1956 के खंड 617 के अनुसार एक सरकारी कंपनी
शेयर पूंजी: प्राधिकृत जारी एवं समर्थित	 200 करोड़ रूपए 200 करोड़ रूपए
वर्तमान शेयर होल्डिंग	भारत के राष्ट्रपति (100%)

कार्य एवं कर्तव्य

दि ओरिएण्टल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड बीमा अधिनियम 1938 एवं साधारण बीमा (राष्ट्रीयकरण) अधिनियम 1972 (जो 2002 में संशोधित हुआ) ओर आईआरडीएआई विनियमन अधिनियम 1999 में निर्धारित दिशानिर्देशों तथा संस्थागत अधिनियमों एवं इसके ज्ञापन में परिभाषित लक्ष्यों के अनुसार अपने कार्यों एवं कर्तव्यों को पूरा करती है।

CHAPTER - I

PARTICULARS OF THE ORGANISATION, FUNCTIONS & DUTIES

HISTORY

The Oriental insurance Company Ltd. earlier known as "The Oriental Fire & General Insurance Co. Ltd " was incorporated at Bombay on 12th September, 1947. The company was a wholly owned subsidiary of The Oriental Government Security Life Assurance Company Limited & was formed to carry out General Insurance business. The Company was promoted by Sir Purushothamdas Thakurdas, Chairman of Oriental Government Security Life Assurance Company Limited, which was transacting life insurance business for nearly 75 years.

The Company's Head Office was located in Bombay. The premium of the Company in the first year of its operation was only INK 99950. On nationalization of Life Insurance business in India, in 1956, the company became a subsidiary of Life Insurance Corporation of India (LIC). Subsequently on nationalization of general insurance business in the year 1973, the company became one of the subsidiaries of General insurance Corporation of India (GIC).

10 Indian and 12 foreign insurance companies merged with Oriental Fire & General Insurance Co. Ltd.At the time of Nationalization in 1973, the Company's Gross Direct Premium was Rs. 58 Crores. The Company's Registered and Head Office was shifted from Bombay to New Delhi. The name of Company was changed in the year 1984 to The Oriental Insurance Company Limited.

However, after the passing of the Insurance Amendment Bill (2002), The Oriental Insurance Company Limited was delinked from GIC and in 2003 the shares of the company so far held by GIC have been transferred to Central Government.

LINES OF BUSINESS

The Company underwrites all lines of non-Life insurance business in Fire, Marine, Engineering, Health, Motor and other Misc. class of business taking care of needs of industrial giants as well as common man. The Company has more than 170 different products for the cross-section of the economy.

PRESENT SETUP & STATUS

The Company has grown over the years and at present operates from 1935+ Offices in India with 12500+ committed and dedicated employees with international presence in Dubai, Nepal & Kuwait. Its gross premium income has reached the level of Rs. 13484.74 crores in the year 2018-19.

As of March 2019, Oriental market value of Investment portfolio is of Rs. 24625.81 crores as against Rs. 23826 crores on March 31, 2018. Oriental Insurance issued 110.29 Lakhs policies in 2018-19 and settled 22.72 Lakhs+ claims during the same period. During 2018-19 Oriental insurance registered a growth of 14.89 % on gross basis.

Oriental Insurance Company had implemented its new software system - the Integrated Non-Life insurance application Software successfully in all the offices as at 31st March 2009 and achieved 100% implementation. For its investment portfolio, Company procured a SAP based module which provides

integrated approach to management of investments. We have a reinsurance accounts module based on Unix/Unify platform which has been running successfully for the past two decades. To arm its officers with the skills critical in a free pricing system, our company has imparted rigorous training. To ensure good relationships with its customers and to build and strengthen the company, an efficient grievance mechanism has been put in place at every level. Expansion of our company's reach has been made possible by using more platforms. Company has tied up with scheduled banks like Punjab National Bank and Oriental Bank of Commerce. It is also using the nationwide network of post offices to reach more people.

RESULTS 2018-19

The Company Gross Direct Premium income in India during the year 2018-19 (Audited) was Rs.13199.22 crores and the premium income outside India was Rs.285.42 crores. The Gross Direct Premium in india & abroad showed a growth of 14.89%. The Net premium Income (Domestic and Foreign), on the other hand grew by 5.58% from Rs.11736.84 crores in 2017-18 to Rs.13484.74 crores in 2018-19. . The company's operations in Nepal, Dubai and Kuwait yielded a Gross Direct Premium of Rs. 285.42 crores during the year 2018-19. The Company has posted a pre-tax profit of Rs. (-) 428.99 crores and post-tax profit of Rs. (-) 293.66 crores for the year 2018-19. The claims ratio for non-suit claim settlement ratio was 90.06%.

RATINGS

The Company's financial health is evident in the fact that CRISIL has consistently, for many years, given the Company "AAA" rating. ICRA - an Associate of Moody's Investor Service - has also rated our company as iAAA, indicating the highest claim-paying ability. This rating also reflects the company's strong liquidity position. For six years in succession, Company has also got financial strength rating of "B++(Good)" and issue credit rating (ICR) of "bbb+" since 2006 from A.M.Best, UK. The solvency ratio of the Company as on March 31st, 2019 is 1.57 times.

CORPORATE VISION

"TO BE THE MOST RESPECTED & PREFERRED NON-LIFE INSURER IN THE MARKETS WE OPERATE"

CORPORATE OBJECTIVES

TO ENSURE THAT WE –

- ACT AS A FINANCIALLY SOUND CORPORATE ENTITY WITH HIGH BUSINESS ETHICS.
- IMPLEMENT BEST HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT PRACTICES TO BUILD A HIGHLY EFFICIENT, DEDICATED AND MOTIVATED WORKFORCE WITH HIGH MORALE AND MORAL VALUES.

- OPTIMALY UTILIZE THE INFORMAT10N TECHNOLOGY INFRASTRUCTURE
- PROVIDE EXCELLENT SERVICE
- RUN THE BUSINESS PROFITABLY THROUGH PRUDENT UNDERWRITING AND EFFICIENT & PROPER-CLAIM MANAGEMENT
- EFFECTIVELY MANAGE OUR REINSURANCE OPERATIONS
- EFFECTIVELY MANAGE OUR INVESTMENTS FOR OPTIMISING YIELD
- HAVE EFFECTIVE RISK MANAGEMENT SYSTEM
- IMPROVE THE PENETRATION OF NON-LIFE INSURANCE BY PROPER UNDERWRITING, INNOVATION & MARKETING

PATICULARS OF ORGANIZATION

DATE OF INCORPORATION	12th September 1947
MODE OF INCORPORATION	Incorporated as a Public Limited Company under the Indian Companies Act, VII of 1913
ADMINISTRATIVE MINISTRY	Ministry of Finance
PRESENT STATUS	A Government Company within the meaning of Sec. 617 of the Companies Act, 1956
SHARE CAPITAL: AUTHORIZED ISSUED AND SUBSCRIBED	 Rs.200 Crores Rs.200 Crores
PRESENT SHERHOLDING	President of India (100%)

FUNCTIONS AND DUTIES

The Oriental Insurance Company Limited carries out its functions and duties in accordance with the objectives defined in its Memorandum & Articles of Association and the guidelines laid in Insurance Act 1938. General Insurance (Nationalization) Act 1972 (since amended in 2002) and IRDAI Act 1999.